परीक्षा पे चर्चा 2020

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित तालकटोरा स्टेडियम में 'परीक्षा पे चर्चा 2020' के दौरान विद्यार्थियों के साथ संवाद किया. प्रधानमंत्री ने कहा, ये 2020 का सिर्फ नया वर्ष है ऐसा नही है, ये नया decade है नया दशक है और आपके जीवन में ये दशक जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही हिंदुस्तान के लिए भी ये दशक सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है. भविष्य में कॅरिअर के विकल्प, के बारे में, प्रधानमंत्री ने छात्रों को बताया कि अपने दिल की बात सुनें तथा राष्ट्र तथा इसके विकास के प्रति उत्साह से कार्य करें. उन्होंने कहा, 'कॅरिअर काफी महत्ववपूर्ण है, प्रत्येक व्यक्ति को कुछ जिम्मेदारी लेनी होती है. हम अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करके भी राष्ट्र के प्रति हमेशा योगदान कर सकते हैं.'

उन्होंने कहा कि अंक ही जीवन नहीं हैं. इसी तरह हमारे पूरे जीवन का निर्णय परीक्षा नहीं कर सकती. यह आगे बढ़ने का कदम है, अपने जीवन में आगे बढ़ने का एक महत्वपूर्ण कदम है. मैं सभी माता-पिताओं से आग्रह करता हूं कि वे अपने बच्चों से यह न कहें कि अंक ही सब कुछ हैं. उन्होंने कहा कि परीक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन वह पूरा जीवन नहीं है. आपको इस मानसिकता से बाहर आना होगा.

एक प्रश्न के उत्तर में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें विफलताओं को गहरे झटकों अथवा बड़े अवरोधों के रूप में नहीं देखना चाहिए. हम जीवन के प्रत्येक पहलू में उत्साह को शामिल कर सकते हैं. किसी भी तरह का अस्थायी झटका लगने का मतलब यह नहीं है कि हम जीवन में सफल नहीं हो सकते हैं. दरअसल, कोई भी झटका लगने का मतलब यही है कि अभी सर्वोत्तम हासिल करना बाकी है. हमें अपनी व्यथित परिस्थितियों को एक उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम बढ़ाने के रूप में बदलने की कोशिश करनी चाहिए.'

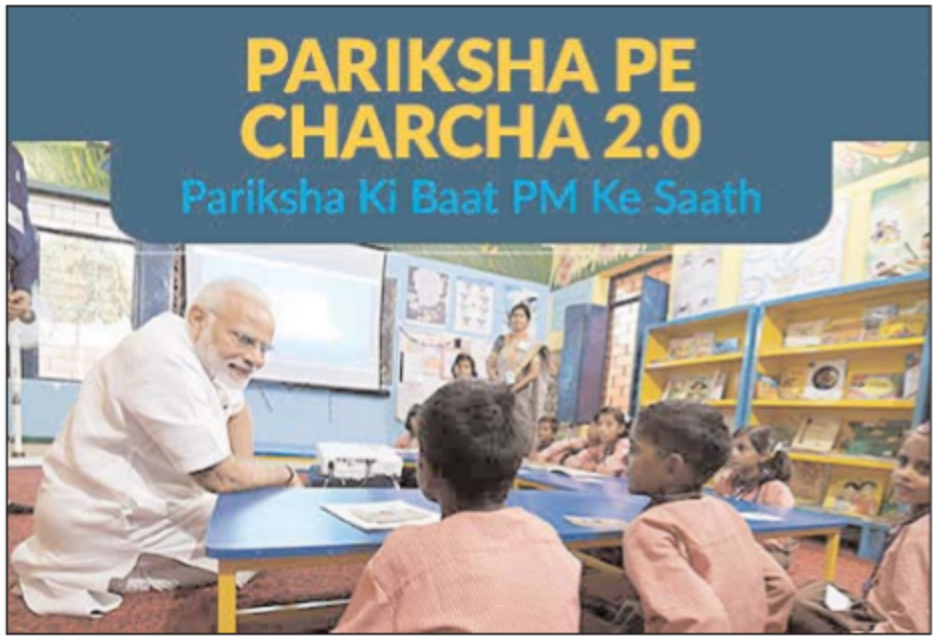

पाठ्येतर गतिविधियों और अध्ययन में संतुलन स्थापित करने से संबंधित एक सवाल के जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी विद्यार्थी के जीवन में पाठ्यक्रम के साथ-साथ अन्य गतिविधियों के विशेष महत्व को कमतर नहीं आंका जा सकता है.

उन्होंने कहा, 'पाठ्येतर गतिविधियां न करना किसी भी विद्यार्थी को एक रोबोट की तरह बना सकता है.'

लेकिन प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पाठ्येतर गतिविधियों और अध्ययन में संतुलन स्थापित करने के लिए विद्यार्थियों को समय का बेहतर एवं इष्टतम प्रबंधन करना होगा.

प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज तरह-तरह के अवसर उपलब्ध हैं और मैं उम्मीद करता हूं कि युवा इनका सही ढंग से इस्तेमाल करेंगे और पूरे जोश के साथ अपने शौक अथवा अपनी रुचि के कार्य को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे.'

हालांकि, उन्हों ने अभिभावकों को आगाह करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों की पाठ्येतर गतिविधियों को फैशन स्टेटमेंट अथवा विशिष्टता न बनने दें.

प्रधानमंत्री ने कहा, 'यह अच्छा नहीं होता है जब बच्चों का जुनून अभिभावकों के लिए फैशन स्टेटमेंट बन जाता है. पाठ्येतर गतिविधियां तड़क-भड़क से प्रेरित नहीं होनी चाहिएं. हर बच्चे को वही करने देना चाहिए जो वह करना चाहता/चाहती है.'

प्रौद्योगिकी के महत्व और शिक्षा में उसकी उपयोगिता के प्रश्न पर प्रधानमंत्री ने कहा कि छात्रों को प्रौद्योगिकी में आधुनिक चीजों के प्रति खुद को परिचित करना चाहिए. उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के खतरों के प्रति सावधान रहें. उन्होंने कहा, 'प्रौद्योगिकी का भय अच्छा नहीं होता. प्रौद्योगिकी एक मित्र है. केवल प्रौद्योगिकी का ज्ञान होना पर्याप्त नहीं है. उसका उपयोग भी महत्वपूर्ण है. प्रौद्योगिकी हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा है, लेकिन अगर हम उसका दुरुपयोग करेंगे तो उससे हमारे अमूल समय और संसाधनों को नुकसान पहुंचेगा.' मैं आशा करता हूं कि यह पीढ़ी हमारे संविधान में उल्लिखित मौलिक कर्तव्यों के आधार पर अपने जीवन में काम करेगी.'

'परीक्षा पे चर्चा-2020' के तीसरे संस्करण में देशभर से दो हजार से अधिक छात्रों, अभिभावकों और अध्यापकों ने भाग लिया.

रोज़गार समाचार

वी. के. मीणा
(महा प्रबंधक)
जयसिंह, संपादक
इकरा फैयाज खान
संपादक (विज्ञापन)
हसन जिया, वरिष्ठ संपादक
पी. के. मंडल, वरिष्ठ कलाकार

पता : रोज़गार समाचार
सातवां तल , सूचना भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003
ई -मेल : निदेशक
director.employmentnews@gmail.com
विज्ञापन : enewsadvt@yahoo.com

संपादकीय	: 24369443
विज्ञापन	: 24369429/30
टेलीफैक्स	: 24369430
वितरण	: 24365610